Email ID - raza.sayedmumtaz@gmail.com
BY- DR. SHYAM BIHARI CHOUDHARY
Date 17.04.20

Teacher Education through Distance mode

दूरस्थ शिक्षा द्वारा अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम

पत्राचार के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने के कार्य का प्रारम्भ भारतवर्ष में दिल्ली विश्वविद्यालय (D.U) के द्वारा किया गया था। सन् 1966 मे दिल्ली विश्वविद्यालय के केन्द्रीय शिक्षा संस्थान Central Institute of Education - CIE) ने पत्राचार सम्पर्क विधि Correspondence-cum-Contact Model) से बी.एड. पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया था। इसके उपरान्त सन् 1970 मे क्षेत्रीय शिक्षा विद्यालयों ने इसी तरह के कार्यक्रम प्रारम्भ किये थे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अप्रशिक्षित माध्यमिक अध्या० को प्रशिक्षित करना था। परन्तु केन्द्रीय शिक्षा संस्थान (CIE) ने 1971 में अपना यह कार्यक्रम बन्द कर दिया था। विगत शताब्दी के सातवे तथा आठवें दशक मे अनेक विश्वविद्यालयों ने बी.एड (पत्राचार) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, अन्नामलाई विश्वविद्यालय मदुराई कामराज वि. वि., जम्मू वि. वि., कश्मीर वि. वि आदि ने पिछली शताब्दी के सातवें दशक में बी.एड (पत्राचार) के कार्यक्रमों को प्रारम्भ कर दिया था। इसके बाद एस. बी. वि. वि., शिवाजी वि. वि., उत्कल वि. वि., रीवा वि. वि. (Kota open university) ने भी सत्र 1988-89 से बी. एड (दूरस्थ शिक्षा) प्रारम्भ कर दिया था। इनमें से प्राय! अधिकांश विश्वविद्यालयों के बी.एड (पत्राचार या दूरस्थ शिक्षा) कार्यक्रमों का क्षेत्र सम्पूर्ण भारत था तथा प्रशिक्षणार्थियों की संस्था मे नियमित प्रशिक्षण अध्ययन करने की आवश्यकता या तो बिल्कुल नहीं थी या तो बिल्कुल नहीं थी अथवा अत्यन्त कम थी। प्रश्न यह था कि क्या बिना किसी नियमित प्रशिक्षण प्राप्त किये अर्जित की गयी बी.एड पत्राचार या दूरस्थ शिक्षा) उपाधि को मान्यता दी जानी चाहिए

P.T.O

E-Mail ID - raza.sayedmumtaz@gmail.com (MMHAPU)